सम्य ग्राग samay naga

### NIMISHA SHARMA

समय राग samay raga

recent works
acrylic & gold leaf on canvas

Jehangir Art Gallery , Mumbai 7th - 13th November 2011

## samay raga

Nimisha's canvases are filled with fluid forms. They reveal pristine imagery and reflect the artist's different moods. They bare forms which shese gives to an emotion, a thing of beauty, a physical sensation and emotional experiences. The immediate impact is 'Sinuous'. The response is palpable pleasure and compelling curiosity. As one begins to absorb the experience, one becomes conscious of the creative power, extraordinary imagination and the keen cerebral aesthetic sensibility, of the artist.

Her paintings exemplify 'finality of form' and invest the 'Avant Garde' imagery with pulsating intensity and energy. She personifies fortitude and finds herself in the tranquil stage of pure art. Her works, reflect her personality decisively and her feelings, get translated into abstracts forms on the canvas.

Critics and Connoisseurs, have acclaimed, that NIMISHA has some unique and admirable qualities - Courage, Conviction and an absolute lack of fear. Reflecting on how she has progressed towards her maturity, she says "My art is the expression of an inner process, the universe affects my emotions, that get transformed into a spectrum of energy, made up of diverse forms and colours. My view of nature is an all – encompassing one, which moves from the microcosm to the macrocosm, from atoms to galaxies, and I feel the nuances in my paintings are governed by this view."

Her method of applying paint is also quite literally- Unique!. There is a visible dynamism in all her forms, the process of painting is very complicated and difficult to describe in words. Her commitment to the idea that an artist have to be perfectly fluent in her technique is evident in her paintings. She paints in only two states of being. One when she's terribly disturbed. That's a negative state of mind. Or when she's absolutely in bliss.

Reflecting on how she has progressed towards her stylistic maturity, Nimisha says, SAMAY RAGA is a pure experience which has resulted in an understanding of our times. My creativity is rooted in my life experiences, which are enriched with human emotions, conditions and most of all engaging relationships. I have come to a point in my life where I sustain my energy by my own emotions and intellect. I have been known for my energetic works. My last show 'Fortitude' evoked a pure Zen feeling, & ULTIMATE LEAP was journey ahead of our times.

Nimisha has had over 15 solo shows in the last thirty years and her paintings are part of worldwide collections Nimisha studied painting at the JJ School of Art. Art, .

Between 1979 and 1980 she studied graphics at the New York University.

It is difficult to put a label on Nimisha's art. She has come a long way since she held her solo all male nude show in Mumbai.in 1977.

She has traveled from point to point and finally she finds herself in the tranquil stage of pure art.

"An art connoisseur's collection of contemporary Indian Art will be incomplete without a painting by Nimisha" Arkay in The Afternoon Despatch and Courier. Dated 8th. January 1993.

Arkay art critic

# विभोर करने के लिए आ रहा है निमिषा शर्मा का

विरिष्ठ चित्रकार निर्मिषा शर्मा एक लम्बे समय बाद अपना एकल शो लेकर आई हैं। उनका नया और बहुप्रतिक्षित काम जहांगीर आर्ट गैलरी में कल से प्रदर्शित है। अमूर्त्त शैली को निर्मिषा ने नया मुहावरा दिया है, जो उनके चित्रों को अन्य अमूर्त्त चित्रकारों से अलग ही लगता है। वैसे भी एब्स्ट्रेक्ट आर्ट गूंगे के गुड़ की तरह होती है, जिसका आस्वाद प्रेक्षक भीतर-ही-भीतर लेता है, जैसे कि वह निरंतर देखते-देखते उसका रस ग्रहण कर रहा हो, पर उसका बखान न कर पा रहा हो। निर्मिषा के काम के लिए यह स्थित और भी ज्यादा सटीक जान पड़ती है।

अपने बोल्ड स्ट्रोक्स और उतने ही बोल्ड रंगों के लिए जानी जाने वाली निमिषा आरम्भ से ही अपने जीवन में भी बहुत बोल्ड रही हैं । उनके निकट किसी तरह की वर्जनाओं की न लाइफ-स्टाइल में और न उनकी पेंटिंग में कोई गुंजाइश रही है ।

श्रीनाथ जी और बनी-ठनी के लिए प्रसिद्ध नाथद्वारा के एक बहुत परम्परावादी परिवार में जन्म लेने और ट्रेडीशनल आध्यात्मिक चित्रों के लिए ख्यात पिता की पुत्री होने के बावजूद उन्होंने परम्पराओं और रूढ़िवादी संस्कारों को त्याग कर विशुद्ध आधुनिक शैली को अपनाया । जेजे में पढऩे के दिनों से ही उनका यह विद्रोही तेवर सामने आने लगा था । एनाटॉमी की क्लास में जबिक सब छात्र महिला निर्वसनाओं के स्केच बनाते हैं, और यह आवश्यक भी माना जाता है, निमिषा ने पुरुष न्यूड बनाये और इसके लिए उन्हें दंड भी भुगतना पड़ा । बात यहीं खत्म नहीं हुई । उन्होंने पढ़ाई पूरी करने के बाद जो पहली नुमाइश की, उसमें भी पुरुष निर्वसन ही थे । इस एग्जीबिशन की खूब चर्चा हुई और आलोचना भी । पर निमिषा उससे विचलित न हुईं ।

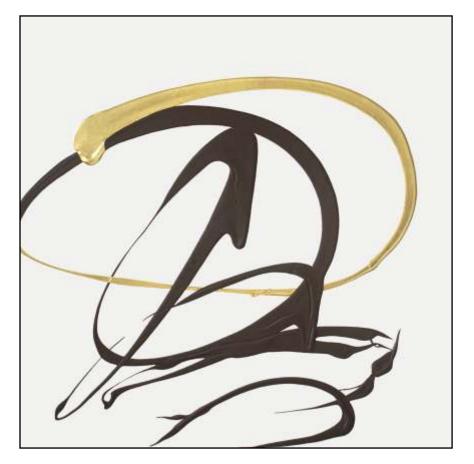
उनका मानना है कि वे ऐसा सेंसेशन क्रियेट करने या चौंकाने के लिए नहीं कर रही थीं बल्कि यह परम्पराओं के प्रति अपना विद्रोह प्रदर्शित करने के लिए था । वे अपनी परम्पराओं और विरासत का झूठा शोर नहीं मचार्ती और न उनसे चिपके रहना चाहर्ती ।

पिछले दो दशकों से उन्होंने लगभग सारी दुनिया घूमी है । उनके मन पर ऑस्ट्रेलिया की हरीतिमा का आधिपत्य है तो हवाई के गहरे नीले समुद्र की नीलिमा भी । पश्चिमी संगीत की गहराइयों को उन्होंने आत्मसात किया है तो भारत के शास्त्रीय रागों को भी हृदय में उतारा है । इसी तरह के तमाम प्रभावों को अपनी गहन सम्वेदनाओं से रूपान्तरित किया है उन्होंने अपने नये कैनवसों में, जिसका शीर्षक दिया है 'समय राग'। उनका कहना है कि इन चित्रों को समझने के लिए प्रेक्षक को मन की गहराई में उतरना पड़ेगा तभी उसे लगेगा कि ये वास्तव में हमारे समय के राग प्रस्तुत कर रहे हैं ।

सभी कैनवसों में काले रंग की बहुलता है और सोने वर्क का इस्तेमाल भी किया गया है, जिससे इनमें अद्भुत रिचनेस भी आ गई है। उनकी कला एक लम्बी साधना और गहरे अनुशासन का प्रतिफल है, जिसका उदाहरण ये चित्र बखूबी पेश करते हैं।

एक कला-समीक्षक से उन्होंने अपने चित्र-कर्म के स्रोत के बारे में बताया कि वे दो तरह की स्थितियों में पेंट करती हैं। एक तो तब जबिक मन बहुत बेचैन होता है और दूसरी स्थिति चरम आनन्द की है, जब कलाकार एक अपूर्व रचनात्मक सुख को पहचान रहा होता है। इस बार के ये चित्र शायद इस गहरे आनन्द की स्थिति से उपजे हैं और उम्मीद है कि ये संवेदनशील दर्शक को भी उसी तरह का आनन्द दे सकेंगे।

### -मनमोहन सरल









Untitled 1 - acrylic & gold leaf on canvas - 40" x 40"



Untitled 2 - acrylic & gold leaf on canvas - 40" x 40"



Untitled 3 - acrylic & gold leaf on canvas - 40" x 40"









Untitled 4 - acrylic & gold leaf on canvas - 40" x 40"



Untitled 5 - acrylic & gold leaf on canvas - 40" x 40"



Untitled 6 - acrylic & gold leaf on canvas - 40" x 40"









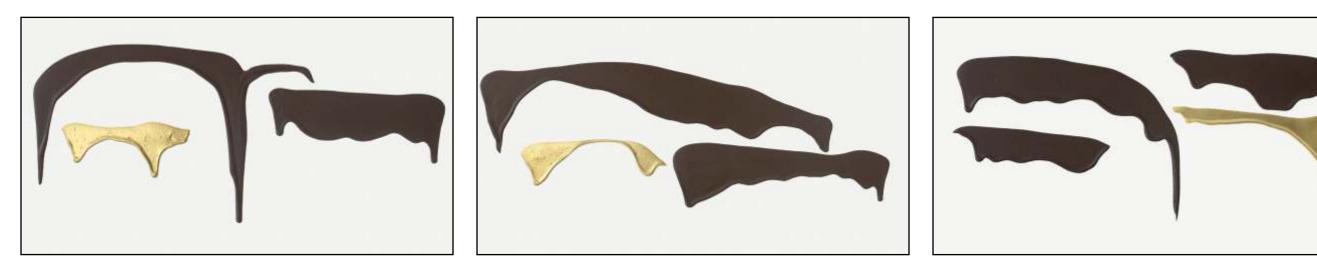
Untitled 7 - acrylic & gold leaf on canvas - 26" x 48"

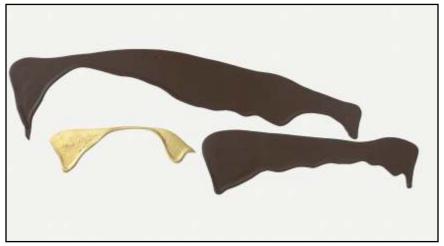


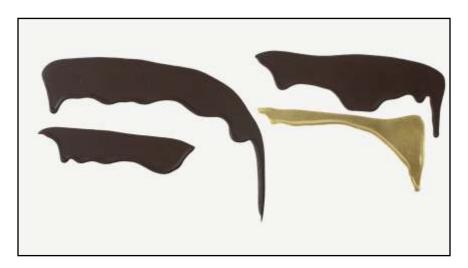
Untitled 8 - acrylic & gold leaf on canvas - 26" x 48"



Untitled 9 - acrylic & gold leaf on canvas - 26" x 48"

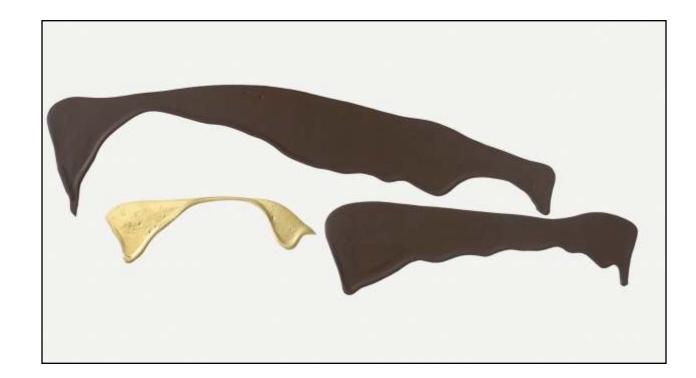




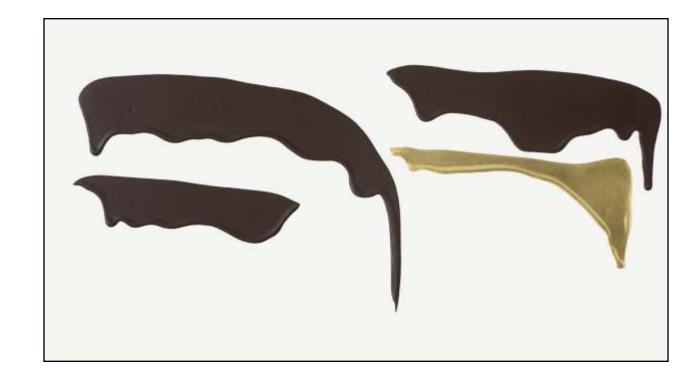




Untitled 10 - acrylic & gold leaf on canvas - 26" x 48"



Untitled 11 - acrylic & gold leaf on canvas - 26" x 48"



Untitled 12 - acrylic & gold leaf on canvas - 26" x 48"



Untitled 13 - acrylic & gold leaf on canvas - 30" x 84"



Untitled 14 - acrylic & gold leaf on canvas - 30" x 84"



Untitled 15 - acrylic & gold leaf on canvas - 30" x 84"



Untitled 16 - acrylic & gold leaf on canvas - 30" x 84"



### NIMISHA SHARMA

1955	Born in Mumbai.
1973 <b>-</b> 77 1978	Studied painting at Sir J.J. School of Art, Mumbai. First one-person show, Mumbai. Traveled to Far East.
1979-80	Studied Graphics at New York University. New York, U.S.A.
1977 – 2011	Extensively Traveled in world Paintings in important private & public collections both in India and Abroad